प्राचीन सुबकिा पेंटगि

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

मणपिुर की समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत को संरक्षति करने हेतु **मणपिुर की** प्राचीन **सुबकिा पेंटगि शैली**, जो वलिुप्तकी कगार पर है, को पुनर्जीवति करने के लयि व्यापक प्रयास कयि जा रहे हैं।

- सुबकिा पेंटगि शैली **मैतेई समुदाय** के सांस्कृतकि इतहिास से संबंधति है तथा अपनी छह जीवति पांडुलपियिों; सुबकिा, **सुबकिा अचौबा, सुबकिा लाईशाबा, सुबकिा चौदति, सुबकिा चेइथलि तथा थेंगराखेल सुबकिा** के माध्यम से अस्तति्व में हैं।
- यह शैली ऐतहिासकि रूप से महत्त्वपूर्ण है कतिु वगित कुछ वर्षों में हुई इसकी उपेक्षा के परणािमस्वरूप इसकी स्थति प्रिभावति हुई है।
- यह पेंटगि **हस्तनर्मिति कागज़ पर बनाई जाती हैं** तथा **पांडुलपियिों के लयि आवश्यक सामग्री**, जैसे हस्तनर्मिति कागज़ अथवा वृक्ष की छाल, स्थानीय स्तर पर तैयार की जाती है।

और पढ़ें... भारतीय चति्रकला

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ancient-subika-painting